रजनीगंधा डाण्डिया उत्सव प्रशिक्षण शिविर में डाण्डिया के स्टेप्स सीखते प्रशिक्षणार्थी। *पत्रिका*

सुबह-शाम डांडिया के नाम

जयपुर, 27 सितम्बर। एयर कण्डीशन्ड सभागार। डाण्डिया के ढोल का बजना शुरू होता है और समूह में बड़ी संख्या में महिलाएं थिरकना शुरू कर देतीं हैं। यह नजारा है गुलाबी नगरी के सबसे बड़े व भव्य रजनीगंधा डाण्डिया महोत्सव के प्रशिक्षण शिविर का।

राजस्थान पत्रिका मीडिया मैक्स की ओर से प्रस्तुत डाण्डिया प्रशिक्षण शिविर में आठ समूह में सुबह से रात तक प्रशिक्षण ले रहे लोगों में उत्साह बना हुआ है। गुजरात के प्रसिद्ध गरबा और डाण्डिया विशेषज्ञों द्वारा दिए जा रहे प्रशिक्षण में आए लोगों का कहना है कि डाण्डिया क्या होता है, यह अब जाना है। इससे पूर्व केवल हाथों में डण्डे लिए फिल्मी गीतों के सीडी बजने पर वे बस गोल-गोल घूमकर बेतरतीब ढंग से नाचना शुरू कर देते। सही ढंग से पारम्परिक डाण्डिया कैसे किया जाए यह अब सीखने को मिला है।

प्रियंका शर्मा का कहना है कि वह इस बार सुसराल में ऐसा डाण्डिया करके दिखाना चाहती है कि बस पूरा परिवार वाह कह उठे। प्रशिक्षण शिविर में शुरुआत में जहां महिलाओं को हाथ से ताली बजाते हुए नियमानुसार गोल-गोल घूमते हुए आगे-पीछे होने के स्टेप्स सिखाए गए हैं, वहीं अब उन्हें डण्डों से भी डाण्डिया करना सिखाया जाना शुरू किया गया है। राजस्थान पत्रिका मीडिया मैक्स की ओर से जयपुर के अतिरिक्त जोधपुर, उदयपुर, कोटा में डाण्डिया के आयोजन हो रहे हैं।

प्रशिक्षणार्थियों को डाण्डिया महोत्सव में नि:शुल्क प्रवेश दिया जाएगा एवं एक विशेष सर्किल में नृत्य का अवसर उन्हें प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा एवं दस सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थियों को डाण्डिया ड्रेस भी दी जाएगी।

पिंक

जयपुर
वाले पर्यटक
गया। पर्यटन
स्थलों और
इस मौके प
पर्यटक स्थल
के साथ ही
विभाग ने उ
संस्थान के
नाहरगढ़, ज
स्टैंड के पा
हवामहल के
आगमन स्थ
पर्यटकों क
एलीफेन्ट र
नजर आए,
लपके भी
ट्यूरिस्ट ग
महावीर सिं
नरेन्द्र शेख
हवामहल
लगाकर औ
और वर्ल्ड